>

Title: Need to provide houses to people belonging to Mushahar community in Bihar under Indira Awas Yojana.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) ः

ग्रामीण विकास मंत्रालय की एक टीम द्वारा बिहार जाकर मांझी (मुशहर) समुदाय, जोकि अनुसूचित जाति के अंतर्गत आता है, का स्पॉट स्टडी किया गया एवं उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का भी अध्ययन किया गया । अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला कि मांझी (मुशहर) जाति के अधिकांश लोगों के पास अपना घर नहीं है । ये अपने बच्चों को शिक्षित नहीं कर पाते और इनकी हालत अनुसूचित जाति में सबसे निम्न है और यह बिहार की आबादी का 2.5 प्रतिशत है । इसलिए सबसे पहले इनके रोटी, कपड़ा और मकान की बुनियादी जरूरतों पर ध्यान देना है । शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर ध्यान देना है । इन लोगों का औसत जीवनकाल केवल 45 वर्ष होता है। कमजोर खान-पान के कारण इनकी शारीरिक रचना ढीली हो जाती है । इस टीम ने यह सिफारिश की थी कि इस जाति के लोगों के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय, एक विशेष योजना के तहत इन्दिरा आवास योजना की विशेष व्यवस्था करे जोकि अभी तक नहीं किया गया है । राज्य सरकार ने इस जाति को महादलित का दर्जा दिया है और इन्हें भूमि का पट्टा दिलाकर, मकान बनवाने की कोशिश कर रही है ।

मैं केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि इस जाति के लोगों को एक इन्दिरा आवास योजना के अंतर्गत सभी मकान बनवाकर दिए जाएं ।